

जिलेट क्लिनिक

(उनकी नज़र से जो वहाँ से गुज़रे)

“क्लिनिक मरीज़ों का इलाज करता है। देखभाल करने वाला समुदाय लोगों को सहारा देता है।”

I. क्लिनिक

मुझे याद है, मेरी माँ बताया करती थीं कि 1960 के दशक में, जब वे मुझे जन्म देने वाली थीं, क्लिनिक गिने-चुने थे और अस्पताल बीमारों के लिए था; इसलिए उन्होंने इसके लिए वह सबसे अच्छी जगह चुनी जो वे चुन सकती थीं: अपना घर, अपने बिस्तर पर।

मेरे पैदा होते ही वहाँ एक औरत थी, जिसे लोग दाई कहते थे, और उसने मेरी माँ से कहा कि मैं अच्छा निकला हूँ — और यह कि अगर मेरी माँ को मैं नहीं चाहिए, तो वह मुझे अपने घर ले जाएगी।

मेरी माँ ने एक नज़र से ही उसे ढेर कर दिया। पर शायद दाई नहीं जानती थी कि मैं कभी किसी एक औरत का नहीं होऊँगा, बल्कि उन सब औरतों का जिनसे मैं मिलूँगा; और बीस साल बाद मैं उसके घर गया। मैं ज़बान का पक्का आदमी हूँ। मैं उसे निराश नहीं कर सकता था।

यह शुरुआत न साहित्यिक व्यंग्य है, न कोई मज़ाक़। इसका बस एक मतलब है: क्लिनिक, एक जगह के तौर पर, नई चीज़ है। वह हम तक न मिस्रियों से आया है, न असीरियों से, न बेबीलोनियों से। वह बस एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था की उपज है जिसने बीमारी को कारोबार बना दिया और अपनी दवाओं को ब्रांड।

उसने कभी अस्पतालों की जगह लेने की कोशिश नहीं की, जो एक संस्था बने हुए हैं; फिर भी उसने मरीज़ को हमेशा यही यक़ीन दिलाया कि पैसे देकर उसे ज़्यादा मिल सकता है — सबसे अच्छा।

कुछ जगहें एक काम निभाती हैं। कुछ एक संभावना बन जाती हैं।

वह दिन था जब मेरे शहर में क्लिनिक का उद्घाटन हुआ: अपनी तरह का पहला, जो एक पूरी सूची पेश कर सकता था, ऐसी जो सारी चिकित्सा को समेट ले, कम से कम बुनियादी क़िस्म की — यूँ कहें, आम लोगों की चिकित्सा।

तीन मुख्य चिकित्सक नियुक्त किए गए, जिन्हें चिकित्सा का ढाँचा खड़ा करना था। डॉक्टरों की भर्ती के लिए इंटरव्यू लेने के बाद, वे एक कमरे में बंद हो गए ताकि इस पर आपस में राय-मशविरा कर सकें कि चुनाव कैसे किया जाए।

आगे जो आता है, उसे मैं सच के तौर पर नहीं, नुआर के तौर पर दर्ज कर रहा हूँ — यह मुझे इतालवी स्वास्थ्य व्यवस्था से अभी-अभी रिटायर हुए कुछ डॉक्टर दोस्तों ने सुनाया था, जो इसे हम सेल्स वालों को हँसाने के लिए सुनाया करते थे, और यह जताने के लिए कि उनके पास भी अपने क़िस्से हैं।

एक क़िस्सा जिसे मैं ख़ुद आँगन का क़िस्सा मानता हूँ, उन कड़वे चुटकुलों में से एक जिनके सहारे डॉक्टर ख़ुद दूसरे डॉक्टरों की बात किया करते थे — एक अजीब और अनोखी नस्ल, जिसे मैं अब अपनी बिल्ली की देखभाल भी नहीं सौंपूँगा।

मैं इसे फ़ैसले के तौर पर नहीं, बल्कि इस बात की तस्वीर के तौर पर लिख रहा हूँ कि आम लोग उस चिकित्सा के ख़िलाफ़ कितना अविश्वास पहले ही जमा कर चुके थे जो उन्हें अब अपनी नहीं लगती थी।

क़िस्सा यूँ सुनाया जाता था। तीनों में सबसे बुज़ुर्ग ने — एक आदमी जो पुरानी हुकूमत के दौर में भी काम कर चुका था — कहा कि वह समझाएगा कि नए डॉक्टर कैसे चुने जाएँ, उस उसूल से जिसे वह नंबर तीन का उसूल कहता था।

अगर कोई ऐसा डॉक्टर मिले जो बहुत कुछ समझता है, तो उसे जनरल प्रैक्टिस में भेज दीजिए: वहाँ, अनुभव के साथ, ज़्यादातर सवालों के जवाब वह ख़ुद ही दे लेगा।

अगर बीच वाले मिलें, क़ाबिल पर असाधारण नहीं, तो उन्हें ऑपरेशन थिएटरों में लगा दीजिए: इस तरह, जब वे खोलेंगे, तो देख लेंगे कि भीतर क्या मिलता है और उसे ठीक करना सीख जाएँगे।

और जो कम समझते हैं, या जो पार्टियों और भर्ती-सूचियों की सिफ़ारिश लेकर आते हैं, उन्हें वे काम दे दीजिए जहाँ — जैसा कि वह बेरहम चुटकुला कहता था — लगभग सारा काम उनकी जगह क़ुदरत पर छोड़ दिया जाता है।

यह, ज़ाहिर है, आँगन वाला संस्करण था। और आँगन के हर क़िस्से की तरह, यह डॉक्टरों के बारे में कम और सुनाने वालों के बारे में ज़्यादा बताता है: इस बारे में कि उनमें कितना कम भरोसा बचा था।

और इस तरह क्लिनिक का जन्म हुआ। उसका असली अनुभव मरीज़ों ने किया; और उसकी बात सिर्फ़ ज़िंदा लोगों ने की — वे जो ख़ुशक़िस्मत रहे, वे नहीं जिन्हें बदक़िस्मती छू गई। और जब सब कुछ बिगड़ने लगता, तो उत्तर का क्लिनिक — किसी भी देश का — बेहतर हिस्से का प्रतीक बन जाता: क्योंकि उत्तर ने हमेशा दौलत और उद्योग की याद दिलाई है, और वहाँ इलाज के पैसे देने से यह एहसास होता है कि इलाज बेहतर है।

फिर अपराधियों के पागलख़ाने बंद कर दिए गए, और मनोरोग क्लिनिक पैदा हुए — जिन्हें बाद में न्यूरोलॉजिकल बीमारियों की ओर मोड़ दिया गया। अब सिर्फ़ प्रमाणित पागलों का ही इलाज नहीं होता था, दूसरी बीमारियों का भी होता था।

II. उपसंहार

क्लिनिक एक इमारत है। देखभाल का समुदाय उससे कुछ ज़्यादा है।

III. लेखक-पृष्ठ

यह रचना किसी के कहने पर नहीं लिखी गई।

यह बेची नहीं गई।

यह किसी व्यावसायिक मक़सद से नहीं बनाई गई।

यह पुनर्वास के, मानवीय गरिमा के और लोगों के आपसी रिश्ते के मूल्य की गवाही देने के लिए लिखी गई।

माँगा गया एकमात्र मेहनताना एक प्रतीकात्मक डॉलर है — रचना की क़ीमत के तौर पर नहीं, बल्कि देखभाल, उम्मीद और ज़िम्मेदारी की संस्कृति के प्रति साझा प्रतिबद्धता के साक्ष्य के तौर पर।

फर्दिनांदो